Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–6208

PAPER–III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and give answers of Questions No.1 to 5 given below in 30 words :

Philosophy of religion should employ the scientific method and the canons of imminent criticism to examine the varieties of religious experience set forth by supernaturalism, animism, anthropomorphism, dogmatism and fundamentalism. Religion is the thought of God revealed in faith and realised in intuition. The eternal varieties of religion are veritable in personal experience and are embodied in the logical idea of rationality, the moral idea of righteousness and the aesthetic idea of rapture. While philosophy gropes for God without any fixity or finality in its speculation, theology becomes dogmatic and fanatical by substituting sect for system and ritualism for righteousness. But in the Philosophy of Religion, religion illumines Philosophy, and Philosophy justifies religion. Revelation is a body of eternal objective and spiritual truths treasured up in scripture and realisable by intuition. Religion mediates between Revelation and Intuition and corrects the dogmatism of the former and the subjectivism of the latter.

निम्नांकित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

धार्मिक अनुभव के विविध प्रकार यथा अलौकिकतावाद, आत्मवाद, मानवीकरणवाद, मतान्धतावाद और रूढ़िवाद के द्वारा निर्धारित हुए हैं, उनका परीक्षण करने के लिए धर्म दर्शन को वैज्ञानिक प्रक्रिया और आलोचना के नियम लगाने चाहिए। धर्म ईश्वर की भावना है, जो विश्वास के रूप में प्रकट होती है और स्वत: अनुभूत की जाती है। धर्म की सतत सच्चाईयों की वास्तविकता व्यक्तिगत अनुभव से प्रमाणित होती हैं। और वे बुद्धीपरकता के तर्कपूर्ण विचार में निहित हैं, न्यायशीलता के नीतिगत विचार और हर्षातिरेक के सौन्दर्यशास्त्रीय विचार में निहित हैं। दर्शनशास्त्र अपने चिन्तन में बिना अन्तिम निर्णय के ईश्वर की तलाश में लगा हुआ है। जबकि ईश्वर विज्ञान पद्धति के स्थान पर सम्प्रदाय बनाकर और न्यायप्रियता के स्थान पर धर्मानुष्ठान डाल करके रूढ़िवादिता एवं कट्टरवादिता बन जाती है। लेकिन धर्म के दर्शनशास्त्र में धर्म दर्शन को प्रकाशित करता है और दर्शन धर्म की पुष्टि करता है। ईश्वरीय ज्ञान (रिवेलेशन) सनातन तत्त्व का समूह है और आध्यात्मिक सत्य है, जो धर्मग्रन्थों में भण्डारित हैं और स्वत: अनुभूति से ज्ञेय हैं। धर्म ईश्वरज्ञान स्वत: अनुभूति के बीच मेल कराता है और पूर्ववर्ती की रूढ़िवादिता को सुधारता है तथा परवर्ती की आत्मपरकता को सुधारता है।

1. How many varieties of religious experience have been cited in the passage under reference ? Discuss.

सन्दर्भित अनुच्छेद में धार्मिक अनुभूति के कितने प्रकार उल्लिखित हैं? विवेचन कीजिए।

2. What are the methods and canons which have been suggested by the author to examine religious experience ? Explain.

धार्मिक अनुभूति के परीक्षण के लिए रचनाकार ने कितनी विधियाँ और कितने नियम सुझाये हैं? व्याख्या कीजिए।

3. Explain the precise definition of religion as given in the passage.

उपर्युक्त अनुच्छेद में दी गई धर्म की संक्षिप्त परिभाषा को विवेचित कीजिए।

4. Explain the purport of the statement "In philosophy of religion, religion illumines and philosophy justifies religions".

अधोलिखित उक्ति के आशय को स्पष्ट कीजिए ''धर्म के दर्शनशास्त्र में धर्म दर्शन को प्रकाशित करता है और दर्शन धर्म की पुष्टि करता है''।

5. Explain the precise definition of revelation as given in the passage.

उपरिलिखित अनुच्छेद में प्रदत्त ईश्वरीय ज्ञान की संक्षिप्त परिभाषा को स्पष्ट कीजिए।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain the role of religion in shaping social order.

समाज व्यवस्थापन में धर्म की भूमिका का विवेचन कीजिए।

7. What is the difference between theism and atheism ? Clarify.
आस्तिकवाद एवं नास्तिकवाद के मध्य अन्तर क्या है? स्पष्ट कीजिए।

8. What is the contribution of Arya Samaj towards the enhancement of education ? Write.
शिक्षा को बढ़ावा देने सम्बन्धी आर्यसमाज का योगदान क्या हैं? लिखिए।

9. Write the basic teachings of Sant Kabir towards the reformation of society.
सन्त कबीर की समाज सुधार सम्बन्धी मूलभूत शिक्षा को लिखिए।

10. What do you know about Tirthankara Ṛṣabhadeva ?
तीर्थंकर ऋषभदेव के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं?

11. What is meaning of 'Jina' ?
'जिन' का अर्थ क्या है?

12. Write a note on the Mahāyāna Sutra-s.
महायान सूत्रों (बुद्ध-वचन) पर टिप्पणी लिखिये।

13. Discuss the role of B. R. Ambedkar in Revival of Buddhism in India.
भारत में बौद्ध धर्म के पुनरुत्थान में भीमराव रामजी आम्बेडकर की भूमिका का विवेचन कीजिए।

14. "Holy Eucharist is the main act of worship of Christians" – Explain.
''यूकेरिस्ट ईसाईयों की धार्मिक क्रिया की प्रमुख क्रिया है'' - स्पष्ट कीजिए।

15. Explain the activities of St. Thomas, the apostle of Christ, in India.
ईसा के शिष्य सेण्ट थामस द्वारा भारत में की गई धार्मिक क्रियाओं की व्याख्या कीजिए।

16. Explain the term 'ibadat' in Islam.
इस्लाम में 'ईबादत' परिभाषा की व्याख्या कीजिए।

17. Give brief accounts of Abbasids' contribution to rational sciences.
बौद्धिक विज्ञान में अब्बासीयों के योगदान का संक्षेप में विवरण कीजिए।

18. Explain the concept of Wahiguru in Sikhism.
सिख धर्म में वाहिगुरु की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

19. What is Khalsa Institute in Sikhism ?

सिख धर्म में खालसा संस्था क्या है?

20. Write a note on the Tribal World View.

आदिवासी विश्व-दृष्टि पर टिप्पणी लिखिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUISM

हिन्दूधर्म

21. Explain the meaning and significance of Gāyatrī Mantra.
गायत्री मन्त्र के अर्थ एवं महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

22. Explain the main topics of Brāhmaṇa Granthas.
ब्राह्मण ग्रन्थों के मुख्य प्रतिपाद्य विषयों की व्याख्या कीजिए।

23. Explain the eight fold-limbs of yoga.
अष्टाङ्गयोग की विवेचना कीजिए।

24. Outline the significance of the Bhāgavat Purāṇa with reference to vaiṣṇava bhakti.
वैष्णव भक्ति के सन्दर्भ में भागवत्पुराण का महत्व बतलाइए।

25. Describe the movement carried on against the evil of Sati Prathā.
सती प्रथा की बुराई के खिलाफ चले आन्दोलन पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

JAINISM

जैन धर्म

21. Explain the main characteristics of the Jainism.
जैन धर्म की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

22. What do you know about the main sects of Jainism ?
जैनधर्म के प्रमुख सम्प्रदायों के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं?

23. Give an account of Ardhamagdhi Anga Texts.
अर्धमागधी अंग ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

24. Write an essay on 'Triratna' according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार 'त्रिरत्न' पर एक निबन्ध लिखिए।

25. Describe in brief the social aspects of Jainism.
जैन धर्म के सामाजिक पक्ष को संक्षेप में लिखिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

BUDDHISM

बौद्ध धर्म

21. Write a note on the biographies of the Buddha as found in Pāli and Sanskrit languages.
पालि और संस्कृत भाषाओं में प्राप्त बुद्ध-चरित-ग्रन्थों पर टिप्पणी लिखिए।

22. Buddhist Scriptures (words of the Buddha) are available today in the Pāli, Buddhist Hybrid Sanskrit (BHS), Chinese and Tibetan languages. Discuss.
बौद्ध आगम (बुद्ध-वचन) आज पालि, बौद्ध संकर संस्कृत, चीनी और तिब्बती भाषाओं में उपलब्ध है। विवेचन कीजिए।

23. What are the four Noble Truths ? Discuss.
चार आर्य सत्य कौन-कौन से हैं? विवेचन कीजिए।

24. Write a note on the Gāndhara Art.
गान्धार कला पर टिप्पणी लिखिए।

25. Write an essay either on the Mahā Bodhi Society of India or on the Socially Engaged Buddhism.
भारत की महाबोधि सभा अथवा सामाजिक-क्रियाशील बौद्ध धर्म पर निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

CHRISTIANITY

ईसाई धर्म

21. Explain the differences among Catholicism, Orthodox-Churches and Protestantism.
कैथोलिक, आर्थोडॉक्स और प्रोटेस्टेण्ट चर्चों के बीच मतभेदों की व्याख्या कीजिए।

22. Explain two parables of Jesus in the Gospels.
गोस्पलस् में ईसामसीह की दो नीति-कथाओं की व्याख्या कीजिए।

23. The main articles of faith incorporated in the Creed of Christianity. Discuss.
ईसाई मत के धार्मिक कथनों (क्रीड) में सम्मिलित विश्वास के प्रमुख अंगों की व्याख्या कीजिए।

24. Discuss about the Seven Sacraments of Christianity.
ईसाई मत के सात पवित्र संस्कारों की व्याख्या कीजिए।

25. Explain the Christian concept of life after death.
मृत्यु के उपरान्त जीवन के सम्बन्ध में ईसाई अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

ISLAM

इस्लाम धर्म

21. Write an essay on the life of the Prophet Muhammad at Madinah.
पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की मदनी जीवनी पर एक निबन्ध लिखिए।

22. Give an account of the salient points of the sermon delivered by the Prophet Muhammad at the Farewell Pilgrimage.
पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के खुत्बा हज्जतुल विदा के मुख्य बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।

23. Describe the Abbasids' contribution to fine arts.
ललित कलाओं में अब्बासी योगदान का वर्णन कीजिए।

24. Write a note on Shah Waliullah's contribution to development of Muslim religions thought in India.
भारत में मुस्लिम धार्मिक विचार की उन्नती में शाह वली उल्लाह के योगदान पर एक नोट लिखिए।

25. Discuss the challenges of modernity to Islamic tradition and Muslim responses to them.
इस्लामी परम्परा को आधुनिकता की चुनौतियों और इनके विषय में मुसलमानों की प्रतिक्रिया का विवरण दीजिए।

OR / अथवा

Elective - VI

विकल्प – VI

SIKHISM

सिख धर्म

21. Give an account of Guru Nanak's life at Kartarpur.
गुरु नानक देव जी के करतारपुर में बिताए जीवन का उल्लेख कीजिए।

22. Write a note on the abolition of Masand system by Guru Gobind Singh.
गुरु गोविन्द सिंह द्वारा मसंद प्रथा की समाप्ति पर टिप्पणी दीजिए।

23. Discuss the composition and compilation of Guru Granth Sahib.
गुरु ग्रंथ साहिब की संरचना और संपादन का विवेचन कीजिए।

24. Discuss the contribution of Nirankari movement.
निरंकारी लहर की भूमिका का विवेचन कीजिए।

25. Give an account of the main events of Gadar movement.
गदर लहर की मुख्य घटनाओं का वर्णन कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Explain the doctrine of Puruṣārtha-Chatuṣtaya.
पुरुषार्थ–चतुष्टय सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on six substances according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार षड्द्रव्यों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the origin and growth of Buddhism.
बौद्ध धर्म के उद्भव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the main contents of the teachings of Christ in the Gospels.
'गास्पल' में प्राप्त ईसा मसीह की शिक्षा के प्रमुख विषयों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the role of sufis in society with particular reference to the Chishtiyya order.
चिशतीया समुदाय के मुख्य सन्दर्भ से समाज में सुफीयों की भूमिका पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Discuss the salient features of Sikh Philosophy.
सिख दर्शन के मुख्य तत्वों का विवेचन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....